ॐ

~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी(व्याकरण)

दिनांक—15/09/2020   अलंकार

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

अलंकार शब्द ‘अलम्’ एवं 'कार' के योग से बना है, जिसका अर्थ है-- विभूषित करनेवाला। जिन

उपकरणों या शैलियों से काव्यों की सुन्दरता बढ़ाई जाती है,उन्हें अलंकार' कहा जाता है।

अलंकार मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं--

(१) शब्दालंकार : जहाँ शब्दों में अलंकार हो। अलंकार में शब्द विशेष को बदल दिया जाए तो अलंकार नहीं रह पाएगा।

शब्दालंकार के भेद-

अनुप्रास, यमक, श्लेष, पुनरुक्ति प्रकाश, प्रश्न,स्वरमैत्री आदि अलंकार आते हैं।

(२) अर्थालंकार : जहाँ अलंकार अर्थ पर आश्रित हो, वहाँ अर्थालंकार होता है। इस अलंकार में शब्दों के परिवर्तन कर देने पर भी अर्थ में बदलाव नहीं आता है ।

अर्थालंकार के भेद -

उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, अपह्नुति, व्यतिरेक ,विरोधाभास आदि आते हैं।

छात्र कार्य- दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए एवं याद करिए।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"